आईआईएम रायपुर को देशभर में 11वां स्थान मिलने पर डायरेक्टर से खास बातचीत

फैकल्टी, कोर्स में नयापन, सुविधा से अच्छी रैंक : प्रो. काकानी

नवभारत एक्सक्लूसिव

मनोज मिश्रा । रायपुर।

आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो. राम कुमार काकानी का कहना है कि संस्थान की अच्छी रैंकिंग (देशभर में 11वां रैंक) के लिए तीन बातें महत्वपूर्ण रही। पहला फैकल्टी रेशियो, दूसरा समय के हिसाब से पहले से चले आ रहे कोर्स में बदलाव और तीसरा स्टूडेंट सुविधा व दुनिया के विख्यात प्रोफेसरों को संस्थान से जोड़ना। आईआईएम रायपुर में हर 12-13 स्टूडेंट के पीछे एक फैकल्टी है। इसके अलावा एफडीपी, प्लेसमेंट और मेंटर प्रोग्राम का भी अच्छी रैंकिंग में लाभ मिला। प्रो. काकानी कहते हैं कि अब आगे निरंतरता बनाए रखना है। एनआईआरएफ रैंकिंग में आईआईएम रायपुर को देशभर में 11वां रैंक मिलने पर 'नवभारत' ने डायरेक्टर प्रो. काकानी से विशेष बातचीत की। इस दौरान प्रो. काकानी ने कहा कि उन्हें एक अच्छा संस्थान मिला था, पिछले डायरेक्टर ने संस्थान की बहुत ही अच्छी नींव डाली थी। उसे उन्होंने (प्रो. काकानी ने) और निखारा और तराशा। फैकल्टी, एक्सपर्ट को लेकर सबसे ज्यादा कार्य किए। कोर्स का रिव्यू किए और स्टूडेंट की सुविधा बढ़ाई जिनका नतीजा सामने है। >> शेष पेज 2 पर

12-13 स्टूडेंट के पीछे एक फैकल्टी

प्रो. काकानी ने बताया कि पहले संस्थान में 30 फैकल्टी थे। अब 55 हैं। पहले 17-18 स्टूडेंट के पीछे एक फैकल्टी होते थे। अब यह रेशियो 12-13 पर आ गया है यानी 12-13 स्टूडेंट के पीछे 1 फैकल्टी है। केंद्र सरकार का नियम है कि हर 13 बच्चों को एक फैकल्टी चाहिए। आईआईएम रायपुर उस मुकाम का पहुंच गया है।

दुनिया के टॉप टेन में शुमार प्रोफेसर को जोड़ा

प्रो. काकानी बताते हैं कि फैकल्टी बढ़ाने के साथ ही हमने तीन-चार ऐसे एक्सपर्ट या प्रोफेसर को जोड़ा जो अपने आप में विख्यात हैं। ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर ह्यूमन रिसोर्सेस में जिन्हें आईआईएम रायपुर ने जोड़ा है, वह दुनिया में टॉप टेन प्रोफेसर में आते हैं। वहीं हमने 7 साल से बड़े संस्थान के डायरेक्टर रह चुके प्रोफेसर को साथ लिया है। इन सबके अनुभव का लाभ मिल रहा है। वैसे हमारे फैकल्टी भी कम प्रतिभावान नहीं हैं।

कोर्स का रिव्यू और किया उसमें बदलाव

आईआईएम ने कोर्स में समय के हिसाब से बदलाव किया। प्रो. काकानी कहते हैं कि हमने देखा कि जो भी कोर्स चल रहे थे, उनका 5 साल से रिव्यू नहीं हुआ था। समय की क्या मांग है, इस पर उन्होंने राय ली। इंडस्ट्रीज और एक्सपर्ट को कैम्पस में बुलाया और उनसे बातचीत किया। इसी के आधार पर कोर्स वर्क में थोड़ा-बहुत बदलाव किया।

फैकल्टी, कोर्स में...

स्टूडेंट की सुविधाएं भी बढ़ाई - कैम्पस में पहले 600 स्टूडेंट के लिए करीब 22 स्टॉफ थे। यह संख्या बढ़ाकर प्रबंधन ने अब 70 से 75 कर दी है। स्टॉफ बढ़ने से जाहिर है, स्टूडेंट की सुविधाएं भी बढ़ी है। प्रबंधन बेहतर से बेहतर सुविधा देने का प्रयास कर रहा है।

एफडीपी, प्लेसमेंट, मेंटर प्रोग्राम - संस्थान की फैकल्टी का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम कराया गया है। प्रो. काकानी ने बताया कि उन्होंने मेंटर प्रोग्राम लागू किया है। इसके तहत संस्थान में कोई भी नया स्टूडेंट फर्स्ट ईयर में आता है, उनके 8-9 मेंटर रखते हैं। ये बच्चों की बात सुनते हैं। उनकी परेशानी दूर करते हैं। हर तीन माह में मीटिंग होती है। वहीं प्लेसमेंट के लिए पहले 1 व्यक्ति थे, अब बढ़ाकर 3 कर दिया गया है।

कैम्पस की रौनक बढ़ाने का प्रयास - प्रो. काकानी का कहना है कि कैम्पस की रौनक बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। कैम्पस में वाइब्रेंट लाइफ रहे, इसका प्रयास कर रहे हैं। बाहर रहने वाले फैकल्टी अब कैम्पस में रहने लगे हैं। योगा डे, यूनिटी डे का आयोजन ही नहीं आईआईएम के बच्चों के लिए मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन भी किया जा रहा है। आसपास के लोगों, स्कूल को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हेल्थ कैम्प भी कराए गए हैं।

रैंकिंग में सुधार के लिए प्रो. काकानी का सुझाव - प्रो. काकानी का कहना है कि जिन संस्थानों की रैंकिंग खराब है कि वे अच्छे फैकल्टी लेकर आ जाएं और उन्हें बेहतर माहौल दें। रैंकिंग में सुधार करना है तो फैकल्टी के मामले में पैसे में कंजूसी ना करें। फैकल्टी दूसरे बड़ी संस्थाओं के कार्य देख सके इसके लिए शैक्षणिक भ्रमण भी रखें।

Navbharat, 15th June 2023,p. 1(Rajdhani)